

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (li) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

€[. 2:3]

नई दिल्लो, मंगलबार, अप्रैल 7, 1992/चैन्न 18, 1914

No. 233]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 7, 1992/CHAITRA 18, 1914

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संक्रिक के रूप में रखा जा सक

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वस्य मंनालय

व्यधिसूचना

नई दिल्मी, 7 प्राप्तील, 1992

ा. शा. 264(श्र).--केन्द्रीय संग्कार, टैंक्सटाइल समिति श्रिधितियम, 1963 (1963 का 41) की घारा 17 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मित्र थे। स्थान करते हुए, भारत सरकार के श्रिदेश व्यापार मजालय की पधिश्लघना सं 3608 तारीख 29 तबस्वर, 1966 का सरकार प्रभाव से निस्तिलियन संशोधन करती है, श्रथति:--

কাল শ্বিসুৰান में परस्कुक के स्थान पर निस्निविद्यत परस्कुक रखा জন্মা প্ৰথমি :--

"प्रानः उपरोक्त प्रतिषध निम्नलिखित दमाओं से नागु नहीं होगा,—

(६) ऐसे निम्स स्वाल्टिं। यस्त या सूत, जो प्रमाणपन्न दिए जाने के लिए प्रपेक्षित न्यूनसम निरीक्षण मानको को पूरा नहीं करते है, के प्रसार के लिए विदेशी केसा से किसी निर्यानक द्वारा यदि वास्तिक प्रादेश प्राप्त किया जाता है और यदि इस निमित्त टैक्स-टाइन स्विति द्वारा प्राधिकृत किसी क्रियाकारी का यह समाधान हा जात है कि ऐसे ब्रादेशों की यथार्थना सदेह से परे है सो सामग्री की क्वालिया प्रनिवार्य न्यूनतम मानकों से निम्न होते हुए भी ऐसी सामग्री को नियंति प्राप्तिकृत किया जासकेसा।

- (ख) किसी स्टार ज्यापार सदन, व्यापार सदन या निर्धात सदन द्वारा निर्धात को गई सामग्री।
- (ग) निर्धात के लिए ऐसा सामग्री जिसके ार्द्रण केता से बोर्ड ऐसा निर्मित पत्र जिसमें यह कथन किया ज्या हो वि विदेणी केना किसो सरकारी निरीक्षण अभिकरण से लदान पूर्व निरीक्षण नहीं चाहता है और निर्धात कर्ता द्वारा सदान पत्ता पर पीमाणक प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुन किया जाता है। ∴
- (घ) ऐसे निर्मानक द्वारा निर्मान को गई सामग्री जिसने उपर वर्णित सामग्री की बाधन गरु तीन वर्गों के दौरान प्रतिवर्ष 1.5 करोड़ विभए की दर से निर्मान का श्रानुपातिक स्वर प्राप्त कर लिया है और टैक्सटाइल समिति को किसी विदेशी केता से क्वालिटी पर उसके विक्त कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है और निर्मातक अपने उत्पाद का निर्मात से पहले स्व के परिसर में या सामान्य परीक्षण सुविधाओं का प्रयोग करते हुए, पर अण करने में सक्षम है। ऐसी मामग्री का निर्मात टैक्सटाइल समिति हारा जारी किए गए प्रमाणपत के श्राधार पर श्रनुकात विया जाएगा।"

[सं. 12020/49/91 र्टा एवं जे-II] एस. नारायणन संयुक्त सचिव पाद टिप्पण - --मूल प्रश्चिसूचना भारत के राजपत्न ग्रमाधारण भाग 2, खंड 3, उपखड (ii) मे तारीस 29-11-1966 को प्रवाजित की गई।

MINISTRY OF TEXTILE NOTIFICATION

New Delhi, the 7th April, 1992

S.O. 264(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 17 of the Textiles Committee Act, 1963 (41 of 1963), the Central Government hereby makes the following amendment with immediate effect in the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3608, dated 29th November, 1966, namely:—

In the said rotification for the provisos, the following proviso shall be substituted, namely:—

Provided that, the above prohibition shall not apply to,-

- (a) if a genuine order is received by the exporter from a overseal buyers for the supply of low quality cloth or yarn which does not pass the minimum inspection vandards required for the issue of a certificate, and if an officer nominated by interesting the bonafides of such orders are beyond doubting the export of such material may be authorised, by him even though the quality of the material is below the compulsory minimum standards.
- (b) the material exported by a Star Trading House, Trading House or Export House;
- (c) the material for export for which a firm letter from the overseas buyer stating that the overseas buyer does not want any preshipment inspection from any efficial inspection agencies, is filed by the exporter before the custom authorities at the port of shipment;
- (d) the material exported by the exporter who have attained the average level of export during the last three years at the rate of Rupees 1.5 crores per annum in respect of the material mentioned above and the Textiles Committee have not received any complaint against him on quality from any overseas buyer and the exporter is capable of testing his products prior to export in his own premises or by raing common testing facilities. The export of such material shall be allowed on the basis of a certificate issued by the Textiles Committee."

[No. 12020/49/91/T&I-II] S. NARAYANAN, It. Secy.

FOOT NOTE.—The Principal Notification was published in the Gazette of India Extra-Ordinary Part II, Section 3. Sub-Section (ii) dated 29-11-1965

अधिमुवना

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1992

का. या. 265(य) -- केन्द्रीय सरकार, टैक्सटाइल समिति अधि-नियम, 1963 (1963 का 41) की घारा 17 की उपधारा (1) द्राण प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के तिलेश व्यापार मंत्रालय की अधिमूचना सं का आ. 2198 तारीख 22 मई. 1971 का तत्काल प्रभाव से निम्नलिखिन मंशीधन करती हे द्रणित् --

उक्त सक्षिमुक्तना मे परस्तर के स्थान पर वस्तिविश्वित परस्तुक रखा जाएगा, प्रथति --

"परन्तु उपरोता प्रतिषेद्ध निम्नलिखित दशाओं में लागू नहीं होगा,

(क) ेो निम्ल मानक सामझे का निर्यात, जो उक्क विनिधमों के विनिध्या मिल्ला प्रमाणवास विष्याने के लिए प्रयोक्षित न्यूनेशम मानक के चनुरूप नहीं हैं यदि एसी तिच्य पानक, सामग्रा के प्रदाय के लिए किसी विदेशों केना से गादेश प्राप्त होता ह और इस निमित टेक्सटाइन अध्यकारों का ऐसे ग्रादेश को यथार्थना हो जात है और ऐसी सामग्रा का निर्माण प्राप्त हो प्राप्त होता है और ऐसी सामग्रा का निर्माण प्राप्त होता है और ऐसी सामग्रा का निर्माण प्राप्त है।

- (ख) किसी स्टार व्यासर सदन, जनार सदन का ति कि क्व द्वारा निर्वात की गई सामगाः
- (ग) निर्धात के लिए ऐसी सामग्री जिसके लिए विदेणों के ति से कोई ऐसा निष्चित पत्र जिसमें यह कथन किया का हो कि विदेशी कैता किसी सरकारी निरीक्षण ग्रीमकरण रो लदान एवं निरीक्षण नहीं चाहता है, निर्धातकर्नी द्वारा लदान पत्रन पर सीमाणुक प्राधिक दियों के समक्ष प्रमुत गाया ।।।।।
- (घ) ऐसे निर्यातक द्वारा निर्वात का गई सामग्रा एउसने उत्तर विषित नामग्री की ताबत गत तीन वर्षों के दर्शन जी वर्षे 1 5 करोड़ रुपए की दर से निर्वात का जानपालिय स्तर प्राप्त कर लिया है और टैक्सटाइल समिति को किसी विदेशी केता से क्वालिटी पर उसके दिरुद्ध कोई क्रिकायन प्राप्त नहीं हुई है और निर्वातक स्पने कराह निर्वात से से में पहले स्वयं के परिसर में था सामान्य परीतण गर्जारणा का प्रयोग करते हुए, परीक्षण करने में मक्षत है। किसी मामग्री का निर्यात टेक्सटाइल समिति हारा पर किए गर्ह प्रमाणपट के हाधार पर अनुकात किया कार्यार है।

मि 13020/19/01/टी एउट जेनी] एम नारायणन, म्युक्त स्टिंग

पाद टिपण मूल अधिसूचना भाग्न है राज्यत्र नाग ', अंड ३. उपख्ड (ii) मे नारीय 5-6-1971 म प्रकाणित की गरी।

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th April, 1992

S.O. 265(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 17 of the lexibles Committee Act, 1963 (41 of 1963), the Central Government hereby makes the following amendment with immediate effect in the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 2198 dated 22nd May, 1971, namely:—

In the said notification for the provisos, the 'Mowing proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that the above prohibition shall not apply to,---

- (a) the export of low standard material which does not conform to the minimum standard required for the issue of a certificate under regulation 11 of the said regulations if any order is received from an overseas buyer for the supply of such low standard material and if the officer authorised by the Textiles Committee in this behalf is satisfied about the bomafides of such order and the export of such material is authorised by him.
- (b) the material exported by a Star Trading House, Trading House or Exort House;
- (c) the material for export for which a firm letter from the overseas buyer stating that the overseas buyer does not want any preshipment

inspection from any official inspection agencies, is filed by the exporter before the customs authorities at the port of shipment;

(d) the material exported by the exporter who have attained the average level of export during the last three years at the rate of Rupees 1.5 crores per annum in respect of the material mentioned above and the Textiles Committee have not received any complaint against him on quality from any overseas buyer and the exporter is capable of testing his products prior to export in his own premises or by using common testing facilities. The export of such material shall be allowed on the basis of a certificate issued by the Textiles Committee".

[No. 12020/49/91/T&J-II]

S. NARAYANAN, Jt. Secy.

FOOTNOTE: Principal Notification was published in the Gazette of India, Part II, Fection B, Subsection (ii) dated 5-6-1971.

ग्रधिसुचना

नई दिल्ली, 7 प्रप्रैल, 1992

का. था. 266(घ).--केन्द्रीय सरकार, टेक्सटाइन समिति प्रिधिन नियम, 1963 (1963 का 41) की धारा 17 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त मिक्समें का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के विदेश व्यापार मेझालय की प्रधिमुजना यं का.धा. 210 तारीख 3 दिसम्बर, 1971 का तत्काल प्रभाव में निम्नलिखिन मंगोधन करनी है, अर्थान्:--

उक्त भ्रधिन्यना मे परन्तुक के स्थान पर निम्निलिक्षण परन्तुक रखा जाएगा, भ्रथति:--

"परन्तु उपरोक्त प्रतिषेध निम्नलिखिन दशाओं में लाग नहीं होगा,--

- (क) ऐसी निस्त मानक भामयी का निर्यास, जो उक्त विनियमों के विनियम 11 के अधीन प्रमाणपत्न जारी करने के लिए अपेक्षित क्ष्मन्तम मानक के अनुरूप नहीं है यदि ऐसी निस्त स्तर मामग्री के प्रदाय के लिए किसी विवेशी केना से भादेश प्राप्त होता है और इस निमित्त टेक्सटाइल समिति द्वारा प्राक्षिकृत अधिकारी का ऐसे आदेश की यथार्यता की बाबत समाधान हो जाना है और ऐसो सामग्री का निर्यान उसके द्वारा प्राधिकृत कर दिया गया है।
- (ख) किसी स्टार प्र्यापार सदन, श्र्यापार सदन या निर्यात सदन द्वारा निर्यात की गई सामग्री।
- (ग) निर्मान के लिए ऐसी सःमधी जिसके लिए विदेशी कैता से कोई ऐसा निश्चित पन्न जिसमें यह कथन किया गया हो कि जिदेशी केता कियी सरकारी निरीक्षण अभिकरण से लगान पूर्व निरीक्षण महीं चाहना है, निर्मानकर्ना द्वारा खवान पन्नम पर सीमाणुरक प्राधिकास्थिते के समक्ष प्रस्तुत्व किया जाता है।
- (ष) ऐसे निर्मातक द्वारा निर्मात की गई सामग्री जिसने उपर बर्णित सामग्री की बाबन गत तीन वर्षों के बौरान प्रनिवर्ष 1.5 करीड़ रुपए की दर से निर्मात का धानुपानिक स्तर प्राप्त कर लिया है और टेक्सटाइल समिति को किसी विदेशी केना से क्वालिटी पर उसके विरुद्ध कोई णिकायन प्राप्त नहीं हुई हैं और निर्मातक प्रप्ते उत्पाद का निर्मात से पहले स्वयं के परिसर में या सामान्य परीक्षण प्रमुविधाओं का प्रयोग करते हुए, परीक्षण करते में सक्षम है। ऐसी सामग्री का निर्मात टैक्सटाइल समिति हारा जारी किए गए प्रभाणपन्न के ग्राक्षार पर ग्रानुकात किया जायगा।"

[सं. 12020/49/91/दी एण्ड जे-11] एस. नारायणन, संयुक्त सजिव

बाद टिप्पण ---मूल घधिमूचना भारत के राजपत्न, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में तारीय 1-1-1572 को प्रकाशित की गई।

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th April, 1992

S.O. 266(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 17 of the Textiles Committee Act, 1963 (41 of 1963), the Central Government hereby makes the following amendment with immediate effect in the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 210, dated 3rd December, 1971 namely:—

In the said notification for the provisos, the following proviso shall be substituted, namely :---

"Provided that the acove prohibition shall not apply to,---

- (a) the export of low standard material which does not conform to the minimum standard required for the issue of a certificate under regulation 11 of the said regulations if any order is received from an overseas buyer for the supply of such low standard material and if the officer authorised by the Textiles Committee in this behalf is satisfied about the bornafides of such order and the export of such material is authorised by him;
- (b) the material exported by a Star Trading House, Trading House or Exort House;
- (c) the material for export for which a firm letter from the overseas buyer stating that the overseas buyer does not want any preshipment inspection from any official inspection agencies, is filed by the exporter before the customs authorities at the port of shipment;
- (d) the material exported by the exporter who have attained the average level of export during the last three years at the rate of Rupees 1.5 crores per annum in respect of the material mentioned above and the Textiles Committee have not received any complaint against him on quality from any overseas buyer and the exporter is capable of testing his products prior to export in his own premises or by using common testing facilities. The export of such material shall be allowed on the basis of a certificate issued by the Textiles Committee;

[No. 12020/49/91/T&J-II] S. NARAYANAN, Jt. Secv.

FOOT NOTE.—Principal Notification was published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 1-1-1972.

ग्रधिग्चना

नई दिल्ली, 7 वर्**प्रीय,** 1992

का. था. 267(घ).--केन्द्रीय सरकार, टेक्सटाइल समिति अधितियम, 1963 (1963 का 41) की धारा 17 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विदेश व्यापार मञ्जालय की ग्रिधिसूचना सं. का. घा. 2637 मारीख 19 जुलाई, 1972 का तत्काख प्रभाव से निम्मलिखित संशोधन करती है, धर्थात :--

उक्त प्रधिमूचना में परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखिन परन्तुक रखा भाएगा, प्रथान :--

"परन्तू उपरोक्य प्रतिबेध निम्नलिखित वणाओं में लागु नहीं होगा,---

(क) ऐसी निम्न मानक सामग्री का नियात, जा उक्त विनियमों के विनियमों

सामग्री के प्रदाय के निष् किसी विदेशी केता से आदेश प्राप्त होता है और इस निमित्त टेक्सटाइन समिति द्वारा प्राधिकृत प्रधिकारी का ऐसे प्रादेश की सथार्थता की बाबत समाधान हो जाता है और ऐसी मामग्री का निर्यात उसके द्वारा प्राधिकृत कर दिया गया है।

- (स्व) किमी स्टार व्यापार मदन, व्यापार मदन या निर्माण सदन वार निर्यात की गई सामगी।
- (ग) निर्यात के लिए ऐसी मामग्री जिसके लिए विदेशी केता में कोई ऐसा निष्कित पक्ष जिसमें यह कथन किया गया हो कि विदेशी केता किसी सरकारी निरीक्षण ग्राभिकरण से लदान पूर्व निरीक्षण नहीं भाहता है, निर्यातकर्ता द्वारा लदान पत्तन पर सीमाणुकक प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।
- (ष) ऐसे निर्यातक द्वारा निर्यात की गई सामग्री जिसने करार वर्णित सामग्री की वाजन गर्न तीन वर्षों के दौरान प्रति वर्षे 1.5 करोड़ स्पण की दर से निर्यात का भ्रान्पातिक स्नर प्राप्त कर लिया है और टेक्सटाइल समिति को किसी विदेशी खेता से वर्धालिटी पर उसके विख्य कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है और निर्यातक भ्राप्त उत्पाद के निर्यात से पहले स्वय के परिसर में या सामास्य परीक्षण प्रसुविधाओं का प्रयोग करने हुए, परीक्षण करने में सक्षम हैं। ऐसी सामग्री का निर्यात टेक्सटाइल समिति द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्न के भ्राधार पर भनुकात किया जाएगा।"

[सं 12020/49/91-टी एण्ड जे.-II] एस. नारायणन, संयुक्त राजिव

दिख टिप्पण '--मृत प्रधिसूचना, भारत के राजपत्न, भाग ऽा, खंट 3, उपखंड
(ii) में तारीख 30-9-1972 का प्रकाणित की गई।

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th April, 1992

S.O. 267(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 17 of the Textiles Committee Act, 1963 (41 of 1963), the Central Government hereby makes the following amendment with immediate effect in the notification of the Government of India in the Mmistry of Foreign Trade, No. S.O. 2637 dated 19th July, 1972, namely:—

In the said notification for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that the above prohibition shall not apply to,---

- (a) the export of low standard material which does not conform to the nathinum standard required for the issue of a certificate under regulation 11 of the said regulations if any order is received from an overseas buyer for the supply of such low standard material and if the officer authorised by the Textiles Committee in this behalf is satisfied about the bounfides of such order and the export of such material is authorised by him;
- (b) the material exported by a Star Trading House, Trading House or Exort House;
- ic) the material for export for which a firm letter from the overseas buyer stating that the oversoas buyer does not want any preshipment inspection from any official inspection agencies, is filed by the exporter before the customs authorities at the port of shipment;
- (d) the material exported by the exporter who have attained the average level of export during the last three years at the rate of Rupees 1.5 crores per annum in respect of the material mentioned above and the Textiles Committee have not received any complaint against him on quality

from any overseas buyer and the exporter is capable of testing his products prior to export in his own premises or by using common testing facilities. The export of such material shall be allowed on the basis of a certificate issued by the Textiles Committee".

[No. 12020/49/91/T&J-II] S. NARAYANAN, Jt. Secy.

FOOTNOTE: Principal Notification was published in the Gazette of India, Part II, Section B. Subsection (ii) dated 30-9-1972.

मधियूचना

नई दिल्ली 7 ग्राप्रैल, 1992

का.धा. 268(प्र). -- केन्द्रीय सरकार, टेज्सटाइल गमिति प्रधिनियम, 1963 (1963 का 41) की धारा 17 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय की प्रधिमूचना मं. का.धा. 3967 तारीख 2 नवस्वर, 1972 का तत्काल प्रथाव से निस्त्रलिखित मंगोधन करती है, द्वर्थात् :--

उक्त प्रधिसूचना में परस्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, प्रथीन् .—-

"परन्तु उपराक्त प्रतियेध निम्निनिखित दशाओं में लागू नहीं होगा, -

- (क) ऐसी निम्न क्वालिटी सामग्री जो प्रमाणपद्म दिए जाने के लिए अपेक्षित न्यूनलम निरीक्षण मानको को पूरा नहीं करती है, के प्रदाय के लिए विदेशी श्रेता से किसी निर्यातक द्वारा यदि यास्तिवक धादेण प्राप्त किया जाता है और यदि घर निमित्त देक्सटाइल समिति द्वारा प्राधिकृत किसी प्रधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि ऐसे धादेशी की यथार्थता संवेह से परे हैं तो सामग्री की क्वालिटी न्यूनतम निरीक्षण मानको से नीचे हुँछे हुए भी ऐसी सामग्री का निर्यास प्राधिकृत किया का सकेगा।
- (स्त्र) किसी स्टार ज्यापार सवन, ज्यापार सदन या निर्यात सवन द्वारा निर्यात की गई सामग्री।
- (ग) निर्मात के लिए ऐसी सामग्री जिसके लिए विवेशी केता से कोई ऐसा निश्चित पत्न जिसमें यह कथन किया गया हो कि विवेशी केता किसी सरकारी निरीक्षण प्रशिकरण से लदान पूर्व निरीक्षण नही बाहुता है, निर्मातकर्ता द्वारा लदान पत्तन पर सीमाणुल्क प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।
- (घ) ऐसं नियंतिक द्वारा नियंति की गई सामग्री जिस्ते उपर विणित सामग्री की बाबन गत तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष 1.5 करोष्ट्र रुपए की दर से नियंति का धानुपातिक स्तर प्राप्त कर लिया है और टेक्सटाइक समिति को किसी विवेशी केता से क्यालिटी पर उसके बिरूद्ध कोई णिकायत प्राप्त नहीं हुई है और नियंतिक प्रप्ते उत्पाद के नियंति से पहले स्वयं के परिसर में या सामान्य परीक्षण प्रत्नविधाओं का प्रयोग करते हुए, परीक्षण करने में सक्षम है। ऐसी सामग्री का नियंति टेक्सटाइक समिति हारा आरी किए गए प्रमाणपद्म के ग्राधार पर ग्रमुकात किया जागेगा।"

[सं 12020/49/91-दी. एण्ड जे-11] एस. नारायणन, संयुक्त सचिव

पाव टिप्पण :-- मुल मधिसूचना भारत के राजपत्र, भाग Π , खंड 3, उपखंड (ii) में तारीख 2-12-1972 को प्रकाशित की गई।

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th April, 1992

5.0. 268(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (i) of Section 17 of the Textiles Committee Act, 1963 (41 of 1963), the Central Government hereby makes the tollowing amendment with immediate effect in the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3967, dated 2nd November, 1972, namely:—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

- "Provided that, the above prohibition shall not apply to ---
 - (a) if a genuine order is received by the exporter from overseas buyers for the supply of low quality material which does not pass the minimum inspection standards required for the issue of a certificate and if an officer authorised by the Textiles Committee in this behalf is satisfied that the bonafides of such orders are beyond doubt, the export of such material may be authorised by him even though the quality of the material is below the minimum inspection standards;

- (b) the material exported by a Star Trading House, Trading House or Export House;
- (c) the material for export for which a firm letter from the overseas buyer stating that the overseas buyer does not want any preshipment inspection from any official inspection agencies, is filed by the exporter before the custom authorities at the port of shipment;
- (d) the material exported by the exporter who have attained the average level of export during the last three years at the rate of Rupees 1.5 crores per annum in respect of the material mentioned above and the Textiles Committee have not received any complaint against him on quality from any overseas buyer and the exporter is capable of testing his products prior to export in his own premises or by using common testing facilities. The export of such material shall be allowed on the basis of a certificate issued by the Textiles Committee."

[No. 12020/49/91/T&J-U] S. NARAYANAN, Jt. Secy.

FOOTNOTF: The Principal Notification was published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 2-12-1972.